सरदार वल्लभभाई पटेल महाविद्यालय

(अंगीभूत इकाई, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा)

हिन्दी विभाग की ओर से आप सभी का हार्दिक अभिनन्दन

हिन्दी विभाग

- स्थापना- 1957 ई.
- वर्त्तमान में कार्यरत शिक्षकों की संख्या - 5

विभागीय प्रोफाइल

(Departmental Profile)

संकाय सदस्य (FACULTY MEMBER)

- डॉ. रबीन्द्र कुमार
- डॉ. सौरभ सिंह विक्रम
- डॉ. वंशीधर उपाध्याय
- विशाल कुमार
- डॉ. प्रियंका कुमारी मिश्रा

विभागीय प्रोफाइल

(Departmental Profile)

डॉ. रबीन्द्र कुमार

संप्रति: विभागाध्यक्ष

पदनाम : सहायक प्राध्यापक

शैक्षणिक योग्यता : नेट-जेआरएफ, पीएच.डी.

विशेषज्ञता : भक्ति साहित्य

डॉ. सौरभ सिंह विक्रम

पदनाम : सहायक प्राध्यापक

शैक्षणिक योग्यता : नेट-जेआरएफ, पीएच.डी.

विशेषज्ञता : मध्यकालीन सहित्येतिहास एवं संत काव्य

डॉ. वंशीधर उपाध्याय

पदनाम : सहायक प्राध्यापक

शैक्षणिक योग्यता : नेट-जेआरएफ, पीएच.डी.

विशेषज्ञता : आधुनिक हिंदी कविता, हिंदी आलोचना, लोक साहित्य

श्री विशाल कुमार

पदनाम : सहायक प्राध्यापक

शैक्षणिक योग्यता : नेट, पीएच.डी. (Submitted)

विशेषज्ञता : दलित आलोचना, किसान साहित्य, हिंदी कथा साहित्य,

हिंदी-भोजपुरी अनुवाद, हिंदी भाषा-शिक्षण.

डॉ. प्रियंका कुमारी मिश्रा

पदनाम : सहायक प्राध्यापक

शैक्षणिक योग्यता : नेट, पीएच.डी., पी.डी.एफ.

विशेषज्ञता : कथा साहित्य, दलित साहित्य, भारतीय प्रवासन और भारतीय सुरक्षा.

हिंदी विभाग : एक अवलोकन

अपनी स्थापना के 50 वर्षों से अधिक समय पूरा कर चुकने के पश्चात् महाविद्यालय का हिन्दी विभाग शैक्षणिक और सामाजिक स्तर पर बहुद्देशीय परियोजना के साथ शुरू हुआ था, जिसमें महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के अतिरिक्त विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की प्रकृति, उसकी संरचना, उससे संबंधित साहित्य और उसकी ऐतिहासिक भूमिका से अवगत कराना तथा मनुष्यता की स्थापना में भाषा और साहित्य के सामाजिक-सांस्कृतिक महत्त्व पर अनुसंधानपरक दृष्टि विकसित करना शामिल है। हिन्दी विभाग **स्नातक कार्यक्रम** की पूर्ण डिग्री प्रदान करता है, जो हिन्दी साहित्य के इतिहासलेखन, हिन्दी भाषण-शिक्षण और तकनीकी के संबंध, भाषा विज्ञान, भाषा के समाजशास्त्रीय अध्ययन तथा हिन्दी भाषा-साहित्य के अन्य क्षेत्रों पर पड़ रहे प्रभावों का विभिन्न दृष्टिकोणों से अध्ययन करता है। विद्याथियों के सर्वांगीण विकास हेतु विभाग समय–समय पर विभिन्न साहित्यिक व शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करता है। विभाग स्नातक कार्यक्रम में कौशल उन्मुख पाठ्यक्रमों के साथ-साथ अंतर-अनुशासनिक और समावेशी शिक्षा पर बल देने को प्रयासरत है।

हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष (कालक्रमानुसार)

क्रम संख्या	नाम	कब से	कब तक
1.	डॉ. राजनारायण राम	16.09.1959	18.11.1968
2.	श्री रामकृष्ण प्र. सिन्हा	19.11.1968	1977
3.	डॉ. गनौरी महतो	1977	30.01.2001
4.	श्री मोहन सिंह	01.02.2001	01.07.2007
5.	डॉ. योगेन्द्र पाठक	01.07.2007	26.02.2016
6.	डॉ. रबीन्द्र कुमार	23.09.2019	अद्यतन

विभागाध्यक्ष का सन्देश

"आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः" का यह मंत्र भारतीय संस्कृति के उस मूल विचार को पुष्ट करता है जिसमें कहा गया है कि हमें कल्याणकारी ज्ञान/विचार जहाँ से भी प्राप्त हो उसे ग्रहण करना चाहिए और मनुष्यता के विकास हेतु कल्याणकारक शुभ विचार, शुभ संकल्प, शुभ निश्चय के साथ बढ़ना चाहिए। भाषा के विद्यार्थियों को इन मानकों पर चलकर अपना सर्वोत्तम जीवन मार्ग प्रशस्त करना चाहिए यह हिन्दी साहित्य का भी मूल है। आज हिंदी चतुर्दिक अपनी ध्वजा फहरा रही है। भाषा के रूप में हिन्दी दुनिया की अन्य भाषाओं की तरह वैज्ञानिक है। अपने श्रेष्ठ साहित्य में समृद्ध ज्ञान-विज्ञान, वाणिज्य, कानून की भाषा बन चुकी है तथा उत्तरोत्तर विकास के पथ पर अग्रसर है। सिनेमा, प्रेस एवं रचनात्मक लेखन की दुनिया में हिंदी ने अपना एक निश्चित मुकाम हासिल कर लिया है। इन सभी क्षेत्रों में प्रगति के फलस्वरुप हिन्दी भारत की रोजगार परक प्रमुख भाषा बन चुकी है।भारत सरकार की वर्तमान नीतियाँ भी हिंदी के विकास में महती भूमिका अदा कर रही हैं। आज ज्ञान के अन्य क्षेत्र में अनुवाद की प्रबल संभावनाएं बन चुकी है। रोजगार-परकता, साहित्यिकता एवं अन्य सभी संबंधित क्षेत्रों में हिंदी का भविष्य उज्वल है। इसलिए हमारे क्षेत्र के सभी विद्यार्थियों एवम् अभिभावकों से गुजारिश है कि वे अपने ज्ञानवर्धन के साथ-साथ रोजगारपरकता को ध्यान में रखकर हिन्दी को विषय के रुप में चुने और अपने उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करें।

उद्देश्य (Objectives)

- ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की शिक्षा प्रदान करना।
- अपने देश की राजभाषा के बारे में ज्ञानवर्धन करना।
- हिंदी के अंतर्गत आने वाली भोजपुरी भाषा की शिक्षा प्रदान करना।
- हिन्दी भाषा एवं साहित्य के माध्यम से अपने देश की संस्कृति से अवगत कराना।
- भोजपुरी भाषा के माध्यम से इस क्षेत्र की संस्कृति और साहित्य से अवगत कराना।

क्रियान्वयन (Execution)

विद्यार्थियों के सर्वांगीण उन्नति और बहुमुखी प्रतिभा को निखारने हेतु समय-समय पर कार्यशाला, समूह चर्चा, विचार-विमर्श, प्रतियोगिता, वाद-विवाद, सेमीनार, ट्यूटोरियल, वेबीनार, प्रस्तुतीकरण का आयोजन किया जाता है।

ध्येय (Goal)

साहित्य का लक्ष्य अनुभूतियों की तीव्रता को बढ़ाकर भावों और विचारों के माध्यम से हृदय को स्पंदित कर एक सभ्य नागरिक का निर्माण करना है। इसके अलावा साहित्य के मूल उद्देश्यों, सामाजिक कुरीतियों तथा सभी प्रकार की बुराइयों को हटाकर सुन्दर समाज एवं आनंदमय जीवन की सृष्टि में सहयोग करना है।

संपूर्ण विकास (Overall Development)

शिक्षण कार्यों का नियमित मूल्यांकन कर, विद्यार्थियों से स्वस्थ संवाद स्थापित कर और सीखने-सिखाने को प्रोत्साहित कर उत्तरोत्तर विकास की ओर अग्रसर किया जाता है। विभिन्न पृष्ठभूमि से आए विद्यार्थियों के लिए समान मंच और अवसर प्रदान कर प्रोत्साहित करना। वैज्ञानिक तर्कदृष्टि का विकास करना तथा मानवीय दृष्टिकोण पैदा करना।

लक्ष्य (Mission)

विद्यार्थियों को परंपरागत क्षेत्र की नौकरियों के अलावा आईटी क्षेत्र में हिन्दी से संबंधित (जैसे-अनुवादक, द्विभाषी), नौकरियों, पत्रकारिता तथा हिन्दी सिनेमा में उपलब्ध विशेष अवसरों के लिए प्रोत्साहित करना एवं बेहतर मनुष्य और समाज के दिशा में प्रयास करना।

हिन्दी का क्षेत्र (Scope Of Hindi)

हिन्दी विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। भारतीय संविधान ने हिन्दी को आधिकारिक भाषा घोषित किया है। केन्द्र सरकार, राज्य सरकार (हिन्दी भाषी राज्य) के विभिन्न विभागों में हिन्दी भाषा में कार्य करना अनिवार्य है। इसलिए केन्द्र और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में हिन्दी अधिकारी, हिन्दी अनुवादक, हिन्दी सहायक, हिन्दी प्रबंधक, राजभाषा अधिकारी (आधिकारिक भाषा), जैसे अलग-अलग पद हैं। इसके अलावा निजी क्षेत्र में भी हिन्दी अनुवादक एवं हिन्दी भाषा अधिकारी जैसे पद हैं।

विभाग में उपलब्ध कोर्स
(Courses in Department)

क्रम संख्या	विषय पाठ्यक्रम
1.	बी.ए. (प्रतिष्ठा)
2.	बी.ए. बी.एस.सी (सहायक)
3.	बी.ए, बी.एस.सी (अनिवार्य)

विभागीय उपलब्धियाँ

- उच्च शिक्षा के लिए देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में नामांकन हेतु विद्यार्थियों का चयन। जैसे जनेवि (JNU), नई दिल्ली में।
- BPSC शिक्षक भर्ती में विद्यार्थियों का चयन।
- एक दिवसीय परीक्षाओं जैसे भारतीय रेलवे में विद्यार्थियों का चयन।
- विभाग में हिन्दी दिवस, काव्य पाठ एवं संगोष्ठियों का आयोजन।
- सामासिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ हिंदी के महत्वपूर्ण रचनाकारों पर आयोजन। जैसे मीर, प्रेमचंद, रेणु, ग़ालिब, फैज़ आदि पर आयोजन।

शिक्षण प्रविधियाँ (TEACHING METHOD)

- कक्षा शिक्षण (CLASS TEACHING)
- ऑनलाइन/ऑफलाइन (ONLINE/OFFLINE)
- प्रस्तुति (PRESENTATION)
- ट्यूटोरियल (TUTORIAL)
- समूह चर्चा (GROUP DISCUSSION)
- फिल्मांकन (FILM SCREENING)
- कार्यशाला (WORKSHOP)
- संगोष्ठी (SEMINAR)

विभागीय ताकत

(DEPARTMENTAL STRENTH)

- विभाग में अनुशंसित पदों के अनुरूप शिक्षकों की पूर्ण उपलब्धता।
- विभाग के सभी शिक्षकों का अंतरअनुशासानिक अध्ययन में सहज एवं सामर्थ्यवान होना।
- विभाग के सभी शिक्षकों का देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों (जेएनयू, बीएचयू, एचसीयू) के साथ अकादमिक रिश्ता।
- विभाग के शिक्षकों का हिंदी के साथ-साथ फारसी, उर्दू, भोजपुरी और बांग्ला भाषा का ज्ञान एवं सहजता।

विभागीय कमियां

(DEPARTMENTAL WEAKNESS)

- विभाग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का न होना।
- विभागीय पुस्तकालय की जरूरत।
- विभाग में किसी मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) का न होना।
- विभागीय स्मार्ट क्लासरूम की अनुपलब्धता।

विभागीय अवसर

(DEPARTMENTAL OPPORTUNITY)

- स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू होने से शोध के क्षेत्र में विस्तार की संभावना।

- इस क्षेत्र की ऐतिहासिकता के मद्देनजर क्षेत्रीय एवं स्थानीय भाषा, संस्कृति एवं इतिहास से संबंधित शोध की संभावना।

विभागीय चुनौतियाँ

(DEPARTMENTAL CHALLENGES)

- ग्रामीण और आर्थिक रूप से पिछड़ा क्षेत्र होने की वजह से विद्यार्थियों में विषय के प्रति जागरुकता को बढ़ावा देना।
- इस तरह के ग्रामीण क्षेत्र में हिंदी भाषा और साहित्य से संबंधित रोजगार मेला के माध्यम से रोजगार नियोजन (JOB PLACEMENT) के अवसर को बढ़ावा देना।
- परिवहन की असुविधा की वजह से सुदूर पहाड़ी क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति को सुनिश्चित करने हेतु बेहतर उपाय ढूंढ़ना।

Student's Profile

S.V.P. College, Bhabua (Kaimur)

Result Analysis Hons. Subject:- HINDI

S. No.	Session	Total Students	Pass Students	Fail/Absent Students	Withheld/Promoted Students	First Class	
1	2018-21					Marks Above 60%	%
	I	70	40	01	29	14	20
	II	68	62	01	05	05	7.35
	III	53	51	02	Nil	08	15.09
2	2019-22						
	I	37	33	Nil	04	11	29.72
	II	45	32	01	12	04	8.88
	III	33	29	03	01	04	12.12
3	2020-23						
	I	69	64	01	04	28	40. 57
	II						
	III	69	69	Nil	Nil	31	44.92
4	2021-24						
	I						
	II	66	62	Nil	04	46	69.69
	III	58	57	01	Nil	27	46.55
5	2022-25						
	I	72	65	02	05	37	51.38
	II						
	III						

विभाग के भविष्य की योजनाएँ

(Future plans of the Department)

- साहित्य-सृजन में योगदान।
- हिन्दी विभाग के विभिन्न विद्वानों को वक्ता के रूप में आमंत्रित करना।
- विभाग में स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू करने की योजना।
- राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर के सेमिनार/संगोष्ठी आयोजित करना।
- शोध परियोजना प्राप्त करना।

वर्तमान विभागीय योजनाएं

- भारतीय इतिहास अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के तत्वाधान में “आदिवासी भाषा-साहित्य, संस्कृति और इतिहासलेखन में नव विमर्श” विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन हेतु स्वीकृति।
- भारतीय इतिहास अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के तत्वाधान में “ मारिशस में प्रवासित गिरमिटिया मजदूरों के सांस्कृतिक बहुलता के विकास में आर्य समाज की भूमिका का ऐतिहासिक अध्ययन” विषय पर शोध परियोजना हेतु स्वीकृति।

सर्वोत्तम परंपरा (Best Practices)

- समय-समय पर महाविद्यालय एवं विभागीय विद्यार्थियों के लिए अतिथि व्याख्यान आयोजन
- लेखक और कवि जयंती
- हिन्दी दिवस समारोह

विगत पांच वर्षों की उपलब्धियां

हिंदी विभाग के प्राध्यापक हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं (कविता, कथा-साहित्य, नाटक आदि) साहित्य के इतिहास, आलोचना, मीडिया एवं पत्रकारिता, सिनेमा, भाषा-विज्ञान, अंतर-अनुशासनिक अध्ययन आदि के विशेषज्ञ हैं, जिनके दिशा-निर्देशन में छात्र-छात्राओं को अध्ययन की व्यापकता के साथ-साथ भविष्य का चुनाव करने में भी सहयोग मिलता है। हिन्दी विभाग के पूर्व विद्यार्थियों ने शिक्षा, संस्कृति, अनुवाद, संपादन, मीडिया, प्रशासन आदि अनेक क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों से महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है। 96% उत्तीर्णता के साथ 60% से अधिक विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में स्नातक पूर्ण किया और देश के विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश लिया।

विभागीय समय-सारणी

(पाठ्यक्रमानुसार एव संकाय सदस्यानुसार)

TIME-TABLE (HINDI DEPARTMENT)

	11:10 – 12:00	12:00 – 12:50	12:50 – 01:40	01:40 – 02:30	02:30 – 03:20	03:20 – 04:10	04:10 – 05:00
MONDAY	B.A. III YEAR(SSV) B.A. III SEM(VU)	MDC III SEM (P.K./V.K.)	BA- I SEM,MJC (R.K.) TU-SSV	B.A. III YEAR(VK) B.A. III SEM,MJC(PK)	MIC III SEM (S.S.V./ R.K.) TU-VU	B.A. III YEAR (RK) AEC-I SEM AEC –(V.U./ S.S.V./ V.K./ PK)	B.A. III YEAR (V.U.) TU-RK
TUESDAY	B.A. III YEAR(SSV) B.A. III SEM(VU)	MDC III SEM (P.K./V.K.)	BA- I SEM,MJC (R.K.) TU-VU	B.A. III YEAR(VK) B.A. III SEM,MJC-(PK)	MIC III SEM (S.S.V./ R.K.) TU-PK	B.A. III YEAR (RK) AEC-I SEM AEC –(V.U./ S.S.V./ V.K./ PK)	B.A. III YEAR (V.U.) TU-VK
WEDNESDAY	B.A. III YEAR(SSV) B.A. III SEM(VU)	12" (SCI) R.K./ S.S.V.	BA- I SEM,MJC (V.K.) TU-PK	B.A. III YEAR(VK) B.A. III SEM,MJC(PK)	MIC III SEM (S.S.V./ R.K.) TU-VK	B.A. III YEAR RK AEC- (V.U./ S.S.V./ V.K./ PK)	B.A. III YEAR (V.U.) TU-RK
THURSDAY	B.A. III YEAR(SSV) B.A. III SEM(VU)	12" (SCI) V.U./ V.K./P.K TU-RK	BA- I SEM,MJC (V.K.). TU-SSV	B.A-III YEAR (R.K) B.A.(III SEM) (P.K)	MIC I SEM R.K./ P.K.	12" (ART) V.U./ S.S.V./ V.K./ R.K.	B.A. III YEAR S.S.V. TU-VU
FRIDAY	B.A. III YEAR(SSV) B.A. III SEM(VU)	AEC (SCI) I SEM P.K./ V.K.	MDC I SEM V.U./ S.S.V. TU-PK	B.A-III YEAR (R.K) B.A.(III SEM) (P.K)	B.A. III YEAR, GES/V.K MIC I SEM R.K./ P.K. TU-SSV	12" (ART) V.U./ S.S.V./ V.K./ R.K.	B.A. III YEAR (V.U.) TU-VK
SATURDAY	B.A. III YEAR(SSV) B.A. III SEM(VU)	AEC (SCI) I SEM P.K./ V.K./ S.S.V.	MDC I SEM V.U./ S.S.V.	B.A-III YEAR (R.K) B.A.(III SEM) (P.K)	B.A. III YEAR- GES V.K MIC I SEM R.K./ P.K.	B.A. III YEAR V.K. MJC I SEM R.K	B.A. III YEAR V.U.

RK-RABINDRA KUMAR

SSV- SAURABH SINGH VIKRAM

VU- VANSHIDHAR UPADHYAY

VK- VISHAL KUMAR

PK- PRIYANKA KUMARI

छायाचित्र/ मीडिया गैलरी

हिंदी मातृभाषा, इसपर हमें गर्व करना चाहिए

सिटी रिपोर्टर | भभुआ

हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग सरदार वल्लभभाई पटेल महाविद्यालय द्वारा एक संगोष्ठी गुरुवार को आयोजित हुई। इस संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.शंकर प्रसाद शर्मा ने कहा कि हिंदी हमारी मातृ भाषा है और हर नागरिक को अपनी मातृ भाषा पर गर्व करना चाहिए। हिंदी भाषा का विस्तार हमारे सभ्यता और संस्कृति से जुड़ा हुआ है।हिंदी भाषा जितनी विस्तृत होगी हमारी सभ्यता और संस्कृति भी उतनी ही विकसित होगी। कार्यक्रम में मुख्य वक्तव्य देते हुए डॉ.अखिलेंद्र तिवारी ने कहा कि चीन,जर्मनी,जापान आदि देश अपनी मातृ भाषा में काम करते हुए दुनिया के ताकतवर देश बने हुए हैं।इसलिए जिन लोगों को यह लगाता है कि हिंदी को राष्ट्रभाषा बना कर हम पिछड़ जाएंगे। उन्हें इन देशों से सीखना चाहिए। प्रो. बृजराज प्रसाद गुप्त ने कहा कि भूमंडलीकरण के दौर में देश के आर्थिक विकास में उस देश की राष्ट्रभाषा के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रवीन्द्र कुमार ने कहा कि राष्ट्रभाषा किसी भी देश की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है। कार्यक्रम में डॉ.महेश प्रसाद, डॉ.सीमा सिंह, डॉ.सोनल, डॉ.राजकुमार थे।

हिंदी दिवस पर संगोष्ठी में छात्र।

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

अपने युवा

सरदार वल्लभ भाई पटेल महाविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में हिन्दी भाषा को अपनाने पर दिया ज

एकता और अखंडता की सूत्रधार है हिन्

हिंदी दिवस
हिन्दी दिवस

आ, एक प्रतिनिधि। हिन्दी दिवस
रुवार को सरदार वल्लभभाई पटेल
ज में हिन्दी विभाग द्वारा संगोष्ठी
योजित की गई। अध्यक्षता
विद्यालय के प्राचार्य डॉ.शंकर प्रसाद
ने की। वक्ताओं ने कहा कि हिन्दी
देश की एकता व अखंडा की
धार है। इसलिए सरकारी व निजी
र्यों का निष्पादन हिन्दी भाषा में करने
हम बल देते हैं। दुनिया का हर देश
नी मातृभाषा का प्रयोग करता है।
वक्ताओं ने कहा कि हिन्दी में जहां
प्रेम झलकता है, वहीं हिन्दी बोलने
हम गर्व महसूस करते हैं। इससे
री सभ्यता व संस्कृति की झलक
ने को मिलती है। इस भाषा से
लने वाला महक हमें अपनापन
ास कराती है। वक्ताओं ने कहा
निया के किसी देश में जाकर अपने
कोपार्जन के लिए वहां की भाषा
ाधार बना लें, लेकिन जब वहां
हिन्दी भाषी मिलते हैं, हम खुद व
उनकी ओर आकर्षित हो जाते हैं
ामने वाला व्यक्ति भी अपनापन
ा है। मुख्य वक्ता डॉ. अखिलेंद्र
तिवारी ने कहा कि दुनिया का कोई

एसवीपी कॉलेज में गुरुवार को हिन्दी दिवस पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते प्राध्यापक। • हिन्दुस्तान

समृद्ध साहित्य को पढ़ना जरूरी

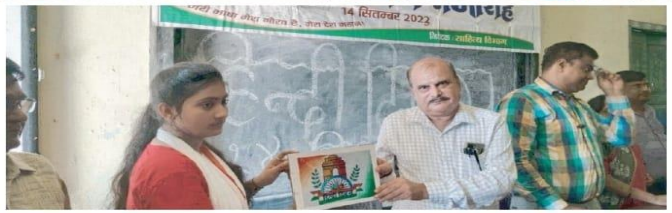

कार्यक्रम का संचालन करते हुए हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. वंशीधर उपाध्याय ने कहा कि हिंदी भारत की सबसे समृद्ध भाषा है। देश को एक सूत्र में पिरोने के लिए एक ही सशक्त भाषा है, जो हिंदी है। महात्मा गांधी भी इस बात को महसूस करते थे। आज अगर हिंदी को और सशक्त बनाना हो तो उसके समृद्ध साहित्य को पढ़ना होगा।

भी देश अपनी मातृभाषा को ही अपनाकर आगे बढ़ा है। चीन, जर्मनी, जापान आदि देश अपनी मातृभाषा में काम करते हुए दुनिया के ताकतवर देश बने हैं। इसलिए जिन लोगों को यह लगता है कि हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाकर हम पिछड़ जाएंगे, उन्हें इन देशों से सीखना चाहिए। हिन्दी भाषा को अब दुनिया के कुछ अन्य देश अपनाने लगे हैं और हम उनकी भाषा को महान मान रहे है। हमें हर भाषा का ज्ञान होना चाहिए। ज्ञान होना विद्वता का परिचायक है। लेकिन, अपनी भाषा का सम्मान नहीं करना और उसे भूल जाना गलत है। बृजराज प्रसाद गुप्त ने भूमंडलीकरण के दौर में देश के आर्थिक विकास में उस देश की राष्ट्रभाषा के योगदान के विषय पर चर्चा की।

संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है राष्ट्रभाषाः हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रवीन्द्र कुमार ने कहा कि राष्ट्रभाषा किसी भी देश की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है। सामान्य जन के लोक व्यवहार, तीज-त्योहार, उनके क्रिया-कलापों में राष्ट्रभाषा धमनियों में रक्त की तरह दौड़ती है। हिंदी लगभग इस देश के बहुतायत लोगों द्वारा बोली और समझी जाती है। त्रिभाषा फार्मूला पर जोर देते हुए हिंदी भाषा के महत्त्व को रेखांकित किया।

कार्य में हिन्दी का प्रयोग आवश्यकः छात्रों ने पोस्टर के माध्यम से हिन्दी भाषा के उत्थान व जानकारी दी। छात्रों ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी संस्कृति ही हमारा भविष्य है। इसकी रक्षा करके हम खुद के साथ-

साथ अपने देश का समृद्ध बना
हैं। इसके लिए बोलचाल के सा
कार्यकलाप में भी हिन्दी भाषा क
करना आवश्यक है। मौके पर ड
प्रसाद, डॉ.सीमा सिंह, डॉ. सोन
राजकुमार गुप्ता, डॉ. सुमित कुम
डॉ.निलेश वर्मा, डॉ.राजेश ठा
सोमेश शशि, डॉ. अविनाश सिं
धनंजय कुमार सहित काफी सं
छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

**दक्षिण के प्रदेशों में भी हिन
स्वीकार्यता बढ़ीः** आरा। वीर
के स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग क
से हिन्दी की वर्तमान स्थिति और
विषय पर विचार गोष्ठी का आ
हुआ। अध्यक्षता पूर्व विभागाध्य
वरिष्ठ साहित्यकार प्रो नीरज
की। कहा कि हिंदी आज भा
संपर्क भाषा के रूप में विकसित
दक्षिण के प्रदेशों में भी
स्वीकार्यता बढ़ी है। कार्यक्रम में
छात्राओं ने भाषण और स्व
रचनाओं का पाठ किया। इनमें नि
पूजा कुमारी, दामिनी, रश्मि, अ
दिशा, नीलम, शैलजा, राजन
खुशबू, जया, रिंकी सोनी
राजकुमार ने हिस्सा लिया। विष
में डॉ नीरज कुमार ने कहा कि हि
वैश्विक विरासत को भी अपना
चाहिए, इससे हिंदी समृद्ध होगी।
कुमार ने कहा कि हिंदी को रा
बनाने का प्रयास करना चाहिए

मगध/शाहाबाद

देश की एकता की सूत्रधार हिंदी भाषा-प्राचार्य

सोनभद्र संवाददाता, कैमूर/भभुआ

गुरुवार 14 सितम्बर को हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग सरदार वल्लभभाई पटेल महाविद्यालय द्वारा एक संगोष्ठी आयोजित की गई। इस संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. शंकर प्रसाद शर्मा ने कहा कि हिंदी हमारी मातृ भाषा है और हर नागरिक को अपनी मातृ भाषा पर गर्व करना चाहिए। हिंदी भाषा का विस्तार हमारे सभ्यता और संस्कृति से जुड़ा हुआ है। हिंदी भाषा जितनी विस्तृत होगी हमारी सभ्यता और संस्कृति भी उतनी ही विकसित होगी। कार्यक्रम में मुख्य वक्तव्य देते हुए डॉ. अखिलेंद्र तिवारी ने कहा कि चीन, जर्मनी, जापान आदि देश अपनी मातृ भाषा में काम करते हुए दुनिया के ताकतवर देश बने हुए हैं इसलिए जिन लोगों को यह लगाता है कि हिंदी को राष्ट्रभाषा बना कर हम पिछड़ जाएंगे उन्हें इन देशों से सीखना चाहिए। श्री बृजराज प्रसाद गुप्त ने कहा कि भूमंडलीकरण के दौर में देश के आर्थिक विकास में उस देश की राष्ट्रभाषा के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रवीन्द्र कुमार ने कहा कि राष्ट्रभाषा किसी भी देश की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है। सामान्य जन के लोक व्यवहार, तीज तेवहार उनके सभी क्रिया कलापों में राष्ट्रभाषा धमनियों में रक्त की तरह दौड़ती है। हिंदी लगभग इस देश के बहुतायत जनता द्वारा बोली और समझी जाती है। अंत में त्रिभाषा फार्मूला पर जोर देते हुए हिंदी भाषा के महत्त्व को रेखांकित किया।। इस कार्यक्रम का संचालन करते हुए हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. वंशीधर उपाध्याय ने कहा कि हिंदी भारत की सबसे समृद्ध भाषा है। इस देश को अगर एक सूत्र में पिरोना हो तो आज भी एक ही सशक्त भाषा है जो हिंदी है। महात्मा गांधी भी इस बात को महसूस करते थे। आज अगर हिंदी को और विपुल और सशक्त बनाना हो तो उसके समृद्ध साहित्य को पढ़ना होगा। इस कार्यक्रम में डा महेश प्रसाद डा सीमा सिंह, डा सोनल, डा. राजकुमार गुप्ता, डा सुमित राय, डा निलेश वर्मा, डा राजेश ठाकुर, डा सोमेश शशि, डा अविनाश सिंह, डा धनंजय कुमार आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे। इस अवसर पर बच्चों ने पोस्टर के माध्यम से और भाषण द्वारा हिंदी दिवस के महत्त्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम में भारी संख्या में छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रही जो हिंदी के सुनहरे भविष्य का अच्छा संकेत है।

हिंदी मातृभाषा, इसपर हमें गर्व करना चाहिए

सिटी रिपोर्टर | भभुआ

हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग सरदार वल्लभभाई पटेल महाविद्यालय द्वारा एक संगोष्ठी गुरुवार को आयोजित हुई। इस संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.शंकर प्रसाद शर्मा ने कहा कि हिंदी हमारी मातृ भाषा है और हर नागरिक को अपनी मातृ भाषा पर गर्व करना चाहिए। हिंदी भाषा का विस्तार हमारे सभ्यता और संस्कृति से जुड़ा हुआ है।हिंदी भाषा जितनी विस्तृत होगी हमारी सभ्यता और संस्कृति भी उतनी ही विकसित होगी। कार्यक्रम में मुख्य वक्तव्य देते हुए डॉ.अखिलेंद्र तिवारी ने कहा कि चीन,जर्मनी,जापान आदि देश अपनी मातृ भाषा में काम करते हुए दुनिया के ताकतवर देश बने हुए हैं।इसलिए जिन लोगों को यह लगाता है कि हिंदी को राष्ट्रभाषा बना कर हम पिछड़ जाएंगे। उन्हें इन देशों से सीखना चाहिए। प्रो. बृजराज प्रसाद गुप्त ने कहा कि भूमंडलीकरण के दौर में देश के आर्थिक विकास में उस देश की राष्ट्रभाषा के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रवीन्द्र कुमार ने कहा कि राष्ट्रभाषा किसी भी देश की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है। कार्यक्रम में डॉ.महेश प्रसाद, डॉ.सीमा सिंह, डॉ.सोनल, डॉ.राजकुमार थे।

हिंदी दिवस पर संगोष्ठी में छात्र।

युवाओं को ऋण दे
योजना का भी दें

मुंडेश्वरी धाम की दानपेटी से निकले 19.94

श्रद्धालुओं द्वारा दान स्वरूप दिए गए रुपए-पैसों की तीन दिनों तक होती रही गि

सरदार वल्लभभाई पटेल महाविद्यालय
भगुआ (केमूए)
हिन्दी दिवस समारोह
14 सितम्बर 2022
निदेशक : साहित्य विभाग
iQOO Z7s
Sep 14, 2023, 14:59

सरदार वल्लभभाई पटेल महाविद्यालय
भगुआ (केमूए)
हिन्दी दिवस समारोह
14 सितम्बर 2022
निदेशक : साहित्य विभाग
iQOO Z7s
Sep 14, 2023, 14:30

सरदार वल्लभभाई पटेल महाविद्यालय
भगुआ (केमूए)
हिन्दी दिवस समारोह
14 सितम्बर 2022
निदेशक : साहित्य विभाग
realme Shot on realme 9i 5G

Sprite
realme Shot on realme 9i 5G

सरदार वल्लभभाई पटेल महाविद्यालय
भभुआ (कैमूर)
क ख ग
हिन्दी दिवस समारोह
14 सितम्बर 2022
निवेदक : साहित्य विभाग
HINDI
DIWAS
realme Shot on realme 9i 5G

सरदार वल्लभभाई पटेल महाविद्यालय
हिन्दी दिवस समारोह
14 सितम्बर 2022
HINDI
realme Shot on realme 9i 5G

सरदार वल्लभभाई पटेल महाविद्यालय
हिन्दी दिवस समारोह
14 सितम्बर 2022
realme

सरदार वल्लभभाई पटेल महाविद्यालय
हिन्दी दिवस समारोह
14 सितम्बर 2022
निवेदक : साहित्य विभाग
HINDI
DIWAS
realme Shot on realme 9i 5G

realme Shot on realme 9i 5G

धन्यवाद

THANK YOU